RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT
गरवी गुजरात
गरवी गुजरात
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 180
दि. 01.11.2025, शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.
Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरक उपस्थिति में एकता दिवस परेड का शानदार आयोजन : विभिन्न राज्यों और सुरक्षा बलों ने लिया हिस्सा

परेड में नारी सशक्तिकरण के संदेश के साथ महिलाओं ने विभिन्न दलों की कमान संभाली और मजबूत नेतृत्व का परिचय दिया

गांधीनगर, 31 अक्टूबर : लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरक उपस्थिति में शुक्रवार को एकता नगर-स्टैच्यू ऑफ यूनिटी में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम के दौरान भव्य परेड का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न राज्यों और सुरक्षा बलों की टुकड़ियों ने हिस्सा लिया। परेड में नारी सशक्तिकरण का संदेश देते हुए महिलाओं ने विभिन्न दलों की कमान संभाली और मजबूत नेतृत्व का परिचय दिया।

इस परेड में विभिन्न सुरक्षा बलों और बैंड की टुकड़ियों ने भाग लिया, जिनमें सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और सीआईएसएफ बैंड, आंध्र प्रदेश, असम, छत्तीसगढ़, जम्मू और कश्मीर, पंजाब, मध्य प्रदेश, ओडिशा, महाराष्ट्र, केरल और त्रिपुरा राज्य की पुलिस टुकड़ियों के साथ ही केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) बैंड, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) बैंड, दिल्ली पुलिस बैंड, एनसीसी मार्चिंग टुकड़ी, माउंटेड टुकड़ी (श्वान और अश्व दल), ऊंटों की टुकड़ी, ऊंट बैंड तथा क्लीनिंग मशीन टुकड़ी आदि ने राष्ट्रीय एकता, शांति, अनुशासन और महिला सशक्तिकरण का प्रतीकात्मक प्रदर्शन किया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने परेड में शामिल सभी दलों से सलामी ली।

वहीं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज गुजरात के केवड़िया में राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि सरदार पटेल की 150वीं जयंती एक ऐतिहासिक अवसर है। एकता नगर की सुबह को दिव्य और मनोहारी बताया और श्री मोदी ने सरदार पटेल के चरणों में सामूहिक उपस्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि राष्ट्र एक अत्यंत महत्वपूर्ण क्षण का साक्षी बन रहा है। उन्होंने राष्ट्रव्यापी एकता दौड़ और करोड़ों भारतीयों की उत्साहपूर्ण भागीदारी का उल्लेख करते हुए कहा कि नए भारत का संकल्प स्पष्ट रूप से महसूस किया जा रहा है। इससे पहले आयोजित किए गए कार्यक्रमों और पिछली शाम की उल्लेखनीय प्रस्तुति पर बात करते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि इनमें अतीत की परंपराओं, वर्तमान के श्रम और पराक्रम एवं भविष्य की उपलब्धियों की झलक दिखाई देती है। उन्होंने बताया कि सरदार पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में एक स्मारक सिक्का और एक विशेष डाक टिकट जारी किया गया है। प्रधानमंत्री ने सरदार पटेल की जयंती और राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर देश के सभी 140 करोड़ नागरिकों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि सरदार पटेल का मानना था कि इतिहास लिखने में समय बर्बाद नहीं करना चाहिए; बल्कि इतिहास रचने के प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि यह दृढ़ विश्वास सरदार पटेल की जीवन-गाथा में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल द्वारा अपनाई गई नीतियों और निर्णयों ने इतिहास में एक नया अध्याय लिखा। उन्होंने याद दिलाया कि कैसे सरदार पटेल ने स्वतंत्रता के बाद 550 से अधिक रियासतों के एकीकरण के असंभव से लगने वाले कार्य को पूरा किया। 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का विचार सरदार पटेल के लिए सर्वोपरि था। श्री मोदी ने कहा कि यही कारण है कि सरदार पटेल की जयंती स्वाभाविक रूप से राष्ट्रीय एकता का एक भव्य उत्सव बन चुकी है। जिस प्रकार 140 करोड़ भारतीय 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस और 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस मनाते हैं, उसी प्रकार एकता दिवस का महत्व भी अब उसी स्तर पर पहुंच गया है। उन्होंने बताया कि आज करोड़ों लोगों ने एकता की शपथ ली है।

'इंद्रदेव के कीचड़ में खिलेगा कमल', वैशाली में सीएम योगी आदित्यनाथ का दावा, लालू राज पर प्रहार

वैशाली (जीएनएस)। बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को वैशाली जिले के लालगंज विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी संजय कुमार सिंह के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। तेज बारिश के बावजूद भारी संख्या में लोग रैली स्थल पर जुटे रहे।

योगी आदित्यनाथ ने जनसभा में कहा कि यह धरती यूं ही लोकतंत्र की जननी नहीं कहलाती। वैशाली ने दुनिया को लोकतंत्र का पाठ पढ़ाया है। जिस जोश और उत्साह के साथ आप बारिश में भी डटे हैं, यह साबित करता है कि लालगंज में भाजपा का कमल फिर से खिलेगा।

'बिहार अपने गौरवशाली अतीत के लिए जाना जाता है'

उन्होंने कहा कि बिहार अपने गौरवशाली अतीत के लिए जाना जाता है। यही वह धरती है, जिसने विश्व को नालंदा विश्वविद्यालय दिया और लोकतंत्र की नींव रखी। योगी ने सरदार वल्लभभाई पटेल का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने भारत की एकता को बनाए रखने के लिए उन रियासतों को झुकाया जो भारत गणराज्य में शामिल नहीं होना चाहती थीं।

'स्थिरता और विकास की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाए'

मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि 2005 से पहले बिहार में अराजकता का माहौल था किसान पलायन कर रहे थे, नौजवान बेरोजगार थे, और व्यापारियों की हत्या आम बात थी। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में पिछले 20 वर्षों में बिहार ने स्थिरता और विकास की दिशा में मजबूत कदम बढ़ाए हैं।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल शनिवार को एकता नगर में 'भारत पर्व-2025' का उद्घाटन करेंगे

1 से 15 नवंबर तक चलने वाले भारत पर्व में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना होगी उजागर

(जीएनएस)।

गांधीनगर, 31 अक्टूबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल एकता नगर स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी परिसर में शनिवार, 1 नवंबर की शाम 'भारत पर्व-2025' का उद्घाटन करेंगे।

इस मौके पर उप मुख्यमंत्री श्री हर्ष संघवी और पर्यटन राज्य मंत्री डॉ. जयराम गामित भी मौजूद रहेंगे।

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती देश भर में मनाई जा रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और प्रेरणा से इस वर्ष एकता नगर में यह कार्यक्रम नई दिल्ली में होने वाले गणतंत्र दिवस के राष्ट्रीय समारोह की तरह ही भव्य तरीके से मनाया जा रहा है।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत 1 से 15 नवंबर, 2025 के दौरान आयोजित होने वाले भारत पर्व में देश की 'विविधता में एकता' की संस्कृति को प्रदर्शित करने वाले अनेक सांस्कृतिक और देशभक्ति के कार्यक्रमों के माध्यम से 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को उजागर किया जाएगा।

भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय और राज्य सरकार के पर्यटन विभाग तथा युवा सेवा एवं सांस्कृतिक गतिविधियां विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर एकता नगर में पहली बार भारत पर्व का आयोजन किया जा रहा है।

भारत पर्व में भारत की विभिन्न सांस्कृतिक विरासत, खान-पान परंपरा और कलात्मक कौशल का प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही, प्रतिदिन शाम को दो अलग-अलग राज्य अपनी अनोखी परंपराओं और कलाओं का प्रदर्शन करेंगे। 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में विशेष प्रस्तुति भी दी जाएगी।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर आयोजित एकता परेड की झलकियां

गांधीनगर, 31 अक्टूबर : लौह पुरुष सरदार पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर एकता नगर-स्टैच्यू ऑफ यूनिटी में राष्ट्रीय एकता दिवस का शानदार समारोह आयोजित हुआ।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरक उपस्थिति में भव्य एकता परेड निकाली गई, जिसमें विभिन्न राज्यों और सुरक्षा बलों की टुकड़ियों ने भाग लिया। देश के विभिन्न राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों, सीएपीएफ और पुलिस बलों की लगभग 54 झांकियों, बैंड और ध्वजों ने अनूठा आकर्षण जमाया।

उपराष्ट्रपति और भारतीय लोक प्रशासन संस्थान के अध्यक्ष श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने आईआईपीए की 71वीं वार्षिक आम सभा की बैठक की अध्यक्षता की

उपराष्ट्रपति ने नागरिक-केंद्रित प्रशासन की स्थापना के लिए सिविल सेवकों में सेवा भावना, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा के महत्व पर बल दिया

श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने प्रशासनिक व्यवस्था में नियम-आधारित दृष्टिकोण से भूमिका-आधारित और परिणाम-केंद्रित शासन की दिशा में आवश्यक आमूल-चूल परिवर्तन पर बल दिया

उपराष्ट्रपति ने नैतिक शासन को सशक्त बनाने के लिए भारत के प्राचीन ज्ञान को पुनः प्राप्त करने का आ'ान किया

श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने सार्वजनिक सेवा मानकों को समृद्ध करने के लिए नैतिक परंपराओं पर गहन शोध का आग्रह किया

उपराष्ट्रपति ने बेहतर नीति-निर्माण और कुशल सेवा वितरण सुनिश्चित करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग तथा प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण जैसी परिवर्तनकारी प्रौद्योगिकियों के व्यापक उपयोग पर बल दिया

(जीएनएस)।

उपराष्ट्रपति और भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) के अध्यक्ष श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री एवं आईआईपीए के उपाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र सिंह के साथ मिलकर आईआईपीए की 71वीं वार्षिक आम सभा की अध्यक्षता की।

उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने आईआईपीए के अध्यक्ष के रूप में पहली बार बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर देश के भू-राजनीतिक एकीकरण और सुदृढ़ अखिल भारतीय सिविल सेवाओं की स्थापना में उनके अमूल्य योगदान के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की। उपराष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के दृष्टिकोण पर बल दिया और कहा कि नागरिक-केंद्रित शासन की प्राप्ति के लिए सिविल सेवकों में नैतिक सेवा भावना तथा गहन कर्तव्यनिष्ठा अत्यंत आवश्यक है।

केंद्रीय संचार राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी ने विशेष अभियान 5.0 के तहत संचार भवन में स्वच्छता पहल की समीक्षा की

2047 तक विकसित भारत के लिए स्वच्छता और आत्म-अनुशासन महत्वपूर्णः डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी

(जीएनएस)।

केंद्रीय संचार राज्य मंत्री डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी ने आज संचार भवन का दौरा किया और स्वच्छता अभियान/विशेष अभियान 5.0 के तहत परिसर में किए गए स्वच्छता उपायों की समीक्षा की।

अपने दौरे में, डॉ. पेम्मासानी ने गलियारों, कार्य अनुभागों और विभागीय पुस्तकालय सहित विभिन्न कार्यालय क्षेत्रों का दौरा किया और अधिकारियों व कर्मचारियों से बातचीत की। उन्होंने स्वच्छता बनाए रखने और समग्र कार्य वातावरण में सुधार के लिए विभाग द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयासों की सराहना की।

केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि स्वच्छता हमारी दिनचर्या में शामिल होनी चाहिए, न कि कभी कभार की जाने वाली गतिविधि। उन्होंने आगे कहा कि स्वच्छ वातावरण स्वाभाविक रूप से बेहतर स्वास्थ्य, स्पष्ट विचार और उच्च दक्षता की ओर ले जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि नियमित रूप से अल्पकालिक स्वच्छता अभियान कर्मचारियों में आत्म-जागरूकता बढ़ाने और कार्यस्थल की सकारात्मक संस्कृति को बढ़ावा देने में मदद करते हैं।

डॉ. पेम्मासानी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि स्वच्छता केवल एक सफाई अभियान नहीं है, बल्कि 2047 तक स्वच्छ और विकसित भारत के प्रधानमंत्री के मिशन को साकार करने की दिशा में एक कदम है। उन्होंने अधिकारियों को अभियान अवधि से आगे भी इन प्रयासों को जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि स्वच्छता और दक्षता की भावना दैनिक कामकाज का एक अभिन्न अंग बनी रहे।

केंद्रीय राज्य मंत्री ने अधिकारियों और कर्मचारियों की सामूहिक भागीदारी की सराहना की तथा स्वच्छ, कुशल और उत्तरदायी प्रशासनिक पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने के लिए विभाग के सक्रियता पर संतोष व्यक्त किया।

'ठठरी बार दूंगा'- दलित-पिछड़ा समाज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दामोदर यादव ने लगाया धीरेंद्र शास्त्री पर गालियां और मारने की धमकी का आरोप

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में शुक्रवार को एक ऐसा विवाद गरमाया, जो सनातन धर्म की एकता से लेकर सामाजिक सद्भाव तक को चुनौती दे रहा है। बागेश्वर धाम के विवादास्पद पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पर दलित-पिछड़ा समाज संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष दामोदर यादव ने गंभीर आरोप लगाए हैं।

यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया कि शास्त्री ने हरियाणा के एक मंच पर उन्हें गालियां दीं और 'ठठरी बार' देकर जिंदा जलाने की धमकी दी।

धीरेंद्र शास्त्री पर गालियां और मारने की धमकी का आरोप

दामोदर यादव ने शास्त्री की प्रस्तावित 'सनातन एकता पदयात्रा' को रोकने के लिए सोमवार (3 नवंबर 2025) को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट में याचिका दायर करने का ऐलान किया है। उन्होंने राष्ट्रपति को पहले ही पत्र लिखा था, लेकिन जवाब न मिलने पर कोर्ट का रुख अपनाने का फैसला लिया।

यादव का कहना है कि यह यात्रा संविधान की भावना के विरुद्ध है और सांप्रदायिकता फैला रही है। दूसरी ओर, शास्त्री के समर्थक इसे हिंदू एकता का प्रतीक बता रहे हैं। यह विवाद जातिवाद, धार्मिक एकता और राजनीतिक ध्रुवीकरण के मुद्दों को फिर से उछाल रहा है, खासकर 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों के नजदीक आते हुए।

'नालायक की भाषा, जला देने की धमकी'

भोपाल के एक होटल में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दामोदर यादव ने शांत लेकिन गुस्से भरे लहजे में कहा, "धीरेंद्र शास्त्री ने हरियाणा के एक मंच पर मुझे गालियां दीं।

उन्होंने कहा, 'जो श्रीमान हमारी यात्रा रोकना चाहते हैं, मेरे पास उसका मोबाइल नंबर नहीं है, नहीं तो मैं फोन करके मोबाइल पर ही ठठरी बार देता।' " यादव ने बुंदेलखंडी शब्दावली का हवाला देते हुए स्पष्ट किया, "ठठरी बार देने का मतलब होता है आदमी को जिंदा जला देना। यह किसी नालायक की भाषा हो सकती है। वे कहते हैं कि 'अछूत हमसे दूर हो जा'। मैं बुंदेलखंड से आता हूं, ऐसी धमकियां हमें डराती नहीं, बल्कि जगाती हैं।"

यादव ने वीडियो क्लिपिंग भी दिखाई, जिसमें शास्त्री हरियाणा में कथा के दौरान बोलते नजर आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह धमकी मंगलवार (28 अक्टूबर 2025) को उनकी यात्रा रोकने की मांग के पलटवार में दी गई। यादव ने शास्त्री पर भू-माफिया होने और सांप्रदायिकता फैलाने के पुराने आरोप भी दोहराए। "धीरेंद्र शास्त्री पहले भी ऐसी यात्राएं निकाल चुके हैं, लेकिन इस बार नाम 'सनातन एकता' रखकर वे हिंदू राष्ट्र की मांग कर रहे हैं।

सम्पादकीय

चीन-यूएस टेरिफ वार्ता, समझौता हुआ, दोनों ही सरकारें रहीं लाभ में

अमेरिका और चीन के राष्ट्रपतियों ने बृहस्पतिवार को दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में मुलाकात की और इस दौरान दोनों देशों ने जो सौदेबाजी की उसका दोनों ही सरकारों का लाभ हुआ। समस्या कोई भी हो, जब तक आपस में बातचीत नहीं होती, तब तक उसका समाधान संभव नहीं है। जब दोनों देशों के राष्ट्रपतियों की मुलाकात हुई तो अमेरिका को यह फायदा हुआ कि अब चीन उसके सोयाबीन को खरीदना शुरू कर देगा ताकि अमेरिकी किसानों को राहत मिल सके। चीन ने दूसरी छूट अपने देश से निकलने वाली रेयर अर्थ मिनरल यानि दुर्लभ मृदा तत्वों की अमेरिका को निर्यात की अनुमति दे दी। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने बैठक के दौरान चीन की सकारात्मकता से प्रभावित होकर टैरिफ पर 10 प्रतिशत छूट दे दी। इस तरह संयुक्त टैरिफ जो पहले 57 प्रतिशत था अब वह 47 प्रतिशत रह जाएगा। असल में यह 10 प्रतिशत टैरिफ राष्ट्रपति ट्रंप ने इस वर्ष के शुरूआत में 20 प्रतिशत उस दण्डात्मक टैरिफ में से कम किया है जो उन्होंने पेंटानिल बनाने में उपयोग होने वाली रसायनों की बिव्री को लेकर लगाया था। मतलब कि अभी भी 10 प्रतिशत वह दण्डात्मक शुल्क यथावत रहेगा।

वास्तविकता तो यह है कि भले ही दोनों देशों ने इस बैठक को सफल बताया हो किन्तु लाभ में अमेरिका ही रहा। अमेरिका के लिए इस वक्त अपने किसानों द्वारा पैदा की गईं बम्पर फसल सोयाबीन को फिर से चीन को निर्यात करना तथा चीन से दुर्लभ मृदा धातुओं पर लगी रोक हटवाना था।

ट्रंप ने अपने दोनों ही लक्ष्य को प्रप्त कर लिया किन्तु दोनों ने यह बात मान ली कि संबंधों में कभी-कभी इस तरह के उतार-चढ़ाव आ ही जाते हैं।

सच तो यह है कि सियोल में संपन्न 100 मिनट की शीर्ष वार्ता से पहले दोनों देशों के अधिकारियों ने जितना आशावादी माहौल बनाया था उसका परिणाम दोनों देशों ने संतोषजनक पाया, इससे अच्छी बात और वुछ भी नहीं हो सकती। ट्रंप के व्यवहारों की समीक्षा करना किसी मनोवैज्ञानिक के लिए सरल कार्य नहीं है। ट्रंप की मानसिक स्थिरता बिल्वुल सही नहीं है, वह कब क्या पैसला ले लें वुछ भी अनुमान लगा पाना सरल नहीं है। चीन इस बात को अच्छी तरह समझता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति की कार्यशैली बिल्वुल एकाधिकारावादी है और ट्रंप जब तक अपने पद पर हैं, वह अपने व्यवहार से विश्व व्यापार को प्रभावित करते ही रहेंगे। इसलिए राष्ट्रपति शी ने ट्रंप से हर मुद्दे पर बातचीत की।

बहरहाल ट्रंप के टैरिफ लगाने के अधिकार को वैधानिकता पर नवम्बर में ही सुप्रीम कोर्ट का पैसला भी आने वाला है, इससे पहले ट्रंप की सबसे बड़ी छटपटाहट इस बात को लेकर है कि ब्रिक्स अपने बैंक की स्थापना करने जा रहा है ताकि अमेरिका के प्रभाव वाले विश्व बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष पर निर्भरता को कम किया जा सके। साथ ब्रिक्स देशों द्वारा अपनी अलग मुद्रा अपनाए जाने की बात से भी ट्रंप चितित हैं। उन्हें लगता है कि डालर से सबसे ज्यादा परेशान रूस और ब्राजील हैं किन्तु भारत और चीन को मैनेज किया जा सकता है। यही वजह है कि ट्रंप की शी से इस बात की उम्मीद है कि ब्रिक्स को वह अपनी मुद्रा अपनाने पर बल न दे।

ट्रंप को भारत के प्रधानमंत्री से भी उम्मीद है कि वह अभी डालर के विकल्प को सुनिाित नहीं करेंगे। किन्तु वास्तविकता तो यही है कि टैरिफ को लेकर ट्रंप के प्रति ब्रिक्स के सभी देश तनाव में हैं और वे ट्रंप के अमेरिका से दूरी बनाने में ही समझदारी और अपनी भलाई मानते हैं। जो लोग ट्रंप से बात कर रहे हैं वे भी और जो लोग बात नहीं करना चाहते वे भी टैरिफ के बारे में एकतरफा पैसला लेने से काफी नाराज हैं। इसलिए संबंधों में विश्वास के अभाव में कोई भी सौदेबाजी आपसी रिश्तों को मजबूत नहीं बना सकती। इसलिए इस बात का अनुमान लगाया जा सकता है कि ट्रंप- शी वार्ता से तात्कालिक तनाव तो कम हो गया किन्तु संबंधों में स्थाई रूप से सहजता संभव नहीं है।

प्रधानमंत्री 1 नवंबर को छत्तीसगढ़ का दौरा करेंगे

प्रधानमंत्री छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव में हिस्सा लेंगे

प्रधानमंत्री सड़क, उद्योग, स्वास्थ्य देखभाल और ऊर्जा जैसे प्रमुख सेक्टरों में 14,260 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे

प्रधानमंत्री शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक और जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का उद्घाटन करेंगे

दिल की बात: प्रधानमंत्री जन्मजात हृदय रोगों का उपचार करा रहे बच्चों से परस्पर बातचीत करेंगे

प्रधानमंत्री छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए भवन का उद्घाटन करेंगे और भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण करेंगे

प्रधानमंत्री आध्यात्मिक शिक्षा और ध्यान के आधुनिक केंद्र ब्रह्माकुमारी के 'शांति शिखर' का उद्घाटन करेंगे

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 1 नवंबर को छत्तीसगढ़ का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री सुबह लगभग 10 बजे, 'दिल की बात' कार्यक्रम के तहत, नवा रायपुर अटल नगर स्थित श्री सत्य साईं संजीवनी अस्पताल में 'जीवन का उपहार' समारोह में जन्मजात हृदय रोगों का सफलतापूर्वक उपचार करा चुके 2500 बच्चों से परस्पर बातचीत करेंगे।

प्रधानमंत्री इसके बाद लगभग 10:45 बजे ब्रह्माकुमारी के "शांति शिखर" का उद्घाटन करेंगे, जो आध्यात्मिक शिक्षा, शांति और ध्यान का एक आधुनिक केंद्र है।

प्रधानमंत्री इसके बाद लगभग 11:45 बजे, नवा रायपुर अटल नगर स्थित छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए भवन में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की प्रतिमा का अनावरण करेंगे। इसके बाद, वह छत्तीसगढ़ विधानसभा के नए भवन का उद्घाटन करेंगे। यह भवन ग्रीन बिल्डिंग अवधारणा पर बनाया गया है, जिसे पूरी तरह सौर ऊर्जा से संचालित और वर्षा जल संचयन प्रणाली से सुसज्जित करने की योजना है। इस अवसर पर वह उपस्थित जनसमूह को भी संबोधित करेंगे।

प्रधानमंत्री दोपहर लगभग 1:30 बजे शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक एवं जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय का उद्घाटन करेंगे और उसका अवलोकन करेंगे। यह संग्रहालय राज्य के जनजातीय समुदायों के साहस, बलिदान और देशभक्ति की विरासत को संरक्षित और प्रदर्शित करेगा। प्रधानमंत्री स्वतंत्रता सेनानियों के सम्मान में संग्रहालय पोर्टल और ई-बुक "आदि शौर्य" का शुभारंभ करेंगे और स्मारक स्थल पर शहीद वीर नारायण सिंह की घुड़सवार प्रतिमा का अनावरण करेंगे।

प्रधानमंत्री इसके बाद, दोपहर लगभग 2:30 बजे छत्तीसगढ़ राज्य के गठन के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव में हिस्सा लेंगे। प्रधानमंत्री सड़क, उद्योग, स्वास्थ्य सेवा और ऊर्जा जैसे प्रमुख सेक्टरों से जुड़ी 14,260 करोड़ रुपये से अधिक की विकासात्मक और रूपांतरकारी परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे।

प्रधानमंत्री ग्रामीण आजीविका को सुदृढ़ करने के लिए छत्तीसगढ़ के नौ जिलों में 12 नए स्टार्ट-अप ग्राम उद्यमिता कार्यक्रम (एसवीईपी) ब्लॉकों का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री 3.51 लाख पूर्ण हो चुके घरों के गृह प्रवेश में शामिल होंगे और प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत 3 लाख लाभार्थियों को 1200 करोड़ रुपये की किश्तें जारी करेंगे, जिससे राज्य भर के ग्रामीण परिवारों के लिए सम्मानजनक आवास और सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

प्रधानमंत्री कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए पत्थलगांव-कुनकुरी से छत्तीसगढ़-झारखंड सीमा तक चार लेन वाले ग्रीनफील्ड हाईवे की आधारशिला रखेंगे। इसे भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) द्वारा भारतमाला परियोजना के तहत लगभग 3,150 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जा रहा है। यह रणनीतिक गलियारा कोरबा, रायगढ़, जशपुर, रांची और जमशेदपुर में प्रमुख कोयला खदानों, औद्योगिक क्षेत्रों और इस्पात संयंत्रों को जोड़ेगा। यह एक प्रमुख आर्थिक मार्ग के रूप में कार्य करेगा

और क्षेत्रीय व्यापार संबंधों को सुदृढ़ करेगा तथा मध्य भारत को पूर्वी क्षेत्र के साथ समेकित करेगा।

प्रधानमंत्री इसके अतिरिक्त, बस्तर और नारायणपुर जिलों में कई खंडों में फैले राष्ट्रीय राजमार्ग-130डी (नारायणपुर-कस्तूरमेटा-कुतुल-नीलांगुर-महाराष्ट्र सीमा) के निर्माण और उन्नयन की आधारशिला रखेंगे। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राजमार्ग-130सी (मदंगमुडा-देवभोग-ओडिशा सीमा) को पक्के शोल्डर वाले दो-लेन राजमार्ग में उन्नत करने का भी उद्घाटन करेंगे। इससे जनजातीय और सुदूरवर्ती क्षेत्रों में सड़क संपर्क में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और बाजारों तक पहुंच में सुधार होगा और दूरदराज के क्षेत्रों में सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

प्रधानमंत्री विद्युत क्षेत्र में अंतर-क्षेत्रीय ईआर-डब्ल्यूआर इंटरकनेक्शन परियोजना का उद्घाटन करेंगे, जिससे पूर्वी और पश्चिमी ग्रिडों के बीच अंतर-क्षेत्रीय विद्युत अंतरण क्षमता में 1,600 मेगावाट की वृद्धि होगी, ग्रिड विश्वसनीयता में सुधार होगा और पूरे क्षेत्र में स्थिर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित होगी।

प्रधानमंत्री इसके साथ ही 3,750 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई ऊर्जा क्षेत्र परियोजनाओं का लोकार्पण, उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे, जिसका उद्देश्य छत्तीसगढ़ की बिजली अवसंरचना को सुदृढ़ करना, आपूर्ति विश्वसनीयता में सुधार करना और ट्रांसमिशन क्षमता को बढ़ाना है।

प्रधानमंत्री पुनरोद्धार वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) के तहत लगभग 1,860 करोड़ रुपये के कार्यों को समर्पित करेंगे। इनमें नई बिजली लाइनों का निर्माण, फीडर का विभाजन, ट्रांसफार्मरों की स्थापना, कंडक्टरों का रूपांतरण और ग्रामीण एवं कृषि बिजली आपूर्ति में सुधार के लिए निम्न-दाब नेटवर्क को सुदृढ़ करना शामिल है। प्रधानमंत्री रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, बेमेतरा, गरियाबंद और बस्तर जैसे जिलों में लगभग 480 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित नौ नए बिजली सबस्टेशनों का भी उद्घाटन करेंगे। इनसे स्थिर वोल्टेज सुनिश्चित होने, कटौती कम होने और सुदूरवर्ती तथा जनजातीय क्षेत्रों में भी विश्वसनीय बिजली उपलब्ध होने से 15 लाख से अधिक लोगों को लाभ होगा। इसके अतिरिक्त, राज्य में बिजली की पहुंच और गुणवत्ता को और बढ़ाने के लिए कई जिलों में नए आरडीएसएस कार्यों के साथ-साथ कांकेर और बलौदाबाजार-भाटापारा में प्रमुख सुविधाओं सहित 1,415 करोड़ रुपये से अधिक के नए सबस्टेशनों और ट्रांसमिशन परियोजनाओं की आधारशिला रखी जाएगी।

प्रधानमंत्री पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस क्षेत्र में रायपुर में एचपीसीएल के अत्याधुनिक पेट्रोलियम तेल डिपो का उद्घाटन करेंगे। यह डिपो 460 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित है और इसकी भंडारण क्षमता 54,000 किलोलीटर पेट्रोल, डीजल और इथेनॉल की है। यह सुविधा केंद्र एक प्रमुख ईंधन केंद्र के रूप में काम करेगा और छत्तीसगढ़ तथा पड़ोसी राज्यों में निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करेगा। 10,000 किलोलीटर इथेनॉल भंडारण क्षमता के साथ, यह डिपो इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम का भी समर्थन करता है, जिससे जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होती है और स्वच्छ ऊर्जा विकास को बढ़ावा मिलता है।

प्रधानमंत्री लगभग 1,950 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 489 किलोमीटर लंबी नागपुर-झारसुगुड़ा प्राकृतिक गैस पाइपलाइन का भी लोकार्पण करेंगे। यह परियोजना भारत के ऊर्जा मिश्रण में प्राकृतिक गैस की हिस्सेदारी को 15 प्रतिशत तक बढ़ाने और "एक राष्ट्र, एक गैस ग्रिड" का लक्ष्य अर्जित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह पाइपलाइन छत्तीसगढ़ के 11 जिलों को राष्ट्रीय गैस ग्रिड से जोड़ेगी, जिससे औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा और क्षेत्र को स्वच्छ एवं किफायती ईंधन उपलब्ध होगा।

प्रधानमंत्री औद्योगिक विकास और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए दो स्मार्ट औद्योगिक क्षेत्रों—एक जांजगीर-चांपा जिले के सिलादेही-गतवा-बिर्रा में और दूसरा राजनांदगांव जिले के बिजलेटला - की आधारशिला रखेंगे। इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री नवा रायपुर अटल नगर के सेक्टर-22 में एक फार्मास्युटिकल पार्क की आधारशिला रखेंगे। यह पार्क औषधि और स्वास्थ्य सेवा विनिर्माण के लिए एक समर्पित क्षेत्र के रूप में कार्य करेगा।

प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए पांच नए सरकारी मेडिकल कॉलेजों — मनेंद्रगढ़, कबीरधाम, जांजगीर-चांपा और गीदम (दंतेवाड़ा) में और बिलासपुर में सरकारी आयुर्वेद कॉलेज तथा अस्पताल — की आधारशिला रखेंगे। ये परियोजनाएं छत्तीसगढ़ में चिकित्सा शिक्षा को सुदृढ़ करेंगी, स्वास्थ्य सेवा की पहुंच बढ़ाएंगी और पारंपरिक चिकित्सा को बढ़ावा देंगी।

पहली पूर्णत: डिजिटल राष्ट्रीय समुद्री मत्स्य पालन जनगणना 2025 का शुभारंभ

45 दिनों तक चलने वाले इस विशाल राष्ट्रव्यापी अभ्यास में भारत भर के 4000 गांवों के 12 लाख मछुआरे परिवारों को शामिल किया जाएगा

केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन ने लाभ प्राप्त करने के लिए मछुआरों के एनएफडीपी पंजीकरण पर जोर दिया

(जीएनएस)।

कोच्चि : केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री श्री जॉर्ज कुरियन ने शुक्रवार को आईसीएआर-केंद्रीय समुद्री मत्स्य अनुसंधान संस्थान (सीएमएफआरआई) में राष्ट्रीय समुद्री मत्स्य पालन जनगणना (एमएफसी) 2025 के परिवार गणना चरण का आधिकारिक शुभारंभ किया।

इस व्यापक राष्ट्रव्यापी प्रक्रिया का शुभारंभ करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने जनगणना में भाग लेने वाले सभी अधिकारियों और गणनाकारों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि सभी मछुआरे और मत्स्य श्रमिक राष्ट्रीय मत्स्य पालन डिजिटल प्लेटफॉर्म (एनएफडीपी) पर पंजीकृत हों। उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री मत्स्य किसान समृद्धि योजना (पीएम-एमकेएसएसवाई) के तहत लाभ प्राप्त करने के लिए यह एक अनिवार्य आवश्यकता है। केवल वे मछुआरे और मत्स्य पालक ही केंद्र सरकार से वित्तीय सहायता प्राप्त करने के पात्र होंगे जो पोर्टल पर पंजीकृत हैं।" उन्होंने आगे कहा कि पंजीकरण सामान्य सेवा केंद्रों (सीएससी) के माध्यम से आसानी से किया जा सकता है।

समुद्री मत्स्य पालन जनगणना को डिजिटल और डेटा-संचालित मत्स्य

पालन प्रशासन की दिशा में भारत की प्रगति में एक मील का पत्थर बताते हुए, श्री कुरियन ने कहा "यह संस्करण भारतीय मत्स्य पालन के इतिहास में पहली बार पूर्णतः डिजिटलीकृत डेटा संग्रह के रूप में एक प्रमुख तकनीकी बदलाव का प्रतीक है।"

लाइव निगरानी

आधिकारिक शुभारंभ के बाद, महाराष्ट्र और केरल से लाइव फील्ड डेटा संग्रह को आयोजन स्थल पर स्क्रीन पर प्रदर्शित किया गया, जिसमें दो विशेष रूप से डिजाइन किए गए मोबाइल एप्लिकेशन - व्यास भारत और व्यास सूत्र - का उपयोग करके वास्तविक समय में डिजिटल डेटा संग्रह और गणना प्रक्रिया की केंद्रीय निगरानी को प्रदर्शित किया गया। इन्हें सीएमएफआरआई द्वारा वास्तविक समय में डेटा संग्रह, भू-संदर्भन और त्वरित सत्यापन को सक्षम करने के लिए विकसित किया गया था। ये डिजिटल उपकरण फील्ड से केंद्रीय सर्वर तक निर्बाध डेटा प्रवाह सुनिश्चित करेंगे, जिससे प्रसंस्करण समय कम करते हुए सटीकता, पारदर्शिता और दक्षता में वृद्धि होगी।

45 दिवसीय राष्ट्रव्यापी गणना 3 नवंबर से 18 दिसंबर तक चलेगी, जिसमें हजारों प्रशिक्षित क्षेत्रीय कर्मचारी भाग लेंगे और नौ तटीय राज्यों और चार केंद्र शासित प्रदेशों के 4,000 समुद्री मछली पकड़ने वाले गाँवों के 12 लाख से ज्यादा मछुआरे परिवारों को शामिल किया जाएगा।

यह जनगणना प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के अंतर्गत मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के मत्स्य पालन विभाग (डीओएफ) द्वारा समन्वित की जा रही है, जिसमें सीएमएफआरआई नोडल एजेंसी और भारतीय मत्स्य सर्वेक्षण (एफएसआई) परिचालन भागीदार है।

श्री जॉर्ज कुरियन ने सभी राज्य मत्स्य पालन विभागों, स्थानीय निकायों और सामुदायिक संगठनों से 'स्मार्ट जनगणना, स्मार्टर फिशरीज' पहल को सफल बनाने में पूर्ण सहयोग देने का आ'ान किया।

समुद्री मत्स्य पालन में सुधार के लिए सरकार के प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार मछुआरों के लाभ के लिए सक्रिय रूप से निःशुल्क ट्रांसपोंडर और कछुआ निष्कासन उपकरण स्थापित कर रही है।

मत्स्य पालन मंत्रालय के आर्थिक सलाहकार डॉ. अजय श्रीवास्तव ने समारोह की अध्यक्षता की। केंद्रीय मत्स्य पालन सचिव डॉ. अभिलक्ष लिखी ने विशेष भाषण दिया। केंद्रीय मत्स्य पालन संयुक्त सचिव नीतू कुमारी प्रसाद, आईसीएआर के सहायक महानिदेशक डॉ. शुभदीप घोष, सीएमएफआरआई के निदेशक डॉ. ग्रिंसन जॉर्ज, सीआईएफटी के निदेशक डॉ. जॉर्ज निनान, एफएसआई के महानिदेशक डॉ. श्रीनाथ के.आर., समुद्री जनगणना के प्रधान अन्वेषक डॉ. जे. जयशंकर, डॉ. सोमी कुरियाकोस और डॉ. सी. रामचंद्रन ने इस अवसर पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम के बाद एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न तटीय राज्यों की प्रस्तुतियाँ और मछुआरों के प्रतिनिधियों के साथ संवाद शामिल था।

ट्राई ने पुणे शहर और आसपास के क्षेत्र में नेटवर्क की गुणवत्ता का आकलन किया

(जीएनएस)।

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने सितंबर 2025 के दौरान पुणे, महाराष्ट्र लाइसेंस प्राप्त सेवा क्षेत्र (एलएसए) के लिए अपने स्वतंत्र ड्राइव टेस्ट (आईडीटी) के निष्कर्ष जारी किए, जिसमें शहर/राजमार्ग के विस्तृत रूट शामिल हैं। ट्राई क्षेत्रीय कार्यालय, बेंगलुरु की देखरेख में आयोजित ड्राइव टेस्ट शहरी क्षेत्रों, संस्थागत हॉटस्पॉट, सार्वजनिक परिवहन केंद्रों और अत्यधिक आवाजाही वाले गलियारों जैसे इस्तेमाल वाले विविध परिवेशों में समसामयिक दुनिया के मोबाइल नेटवर्क की गुणवत्ता को मापने के लिए डिजाइन किए गया था।

8 सितंबर, 2025 से 12 सितंबर, 2025 के बीच, ट्राई की टीमों ने पुणे शहर और आसपास के 415.5 किलोमीटर क्षेत्र में विस्तृत परीक्षण किए, जिसमें 379.9 किलोमीटर शहर ड्राइव, 27 किलोमीटर मेट्रो ड्राइव, 14 हॉट स्पॉट और 8.6 किलोमीटर पैदल परीक्षण शामिल थे। मूल्यांकन की गई तकनीकों में 2जी, 3जी, 4जी और 5जी शामिल थे, जो विभिन्न हैंडसेट क्षमताओं में उपयोगकर्ताओं के सेवा संबंधी अनुभव को दशार्ते हैं। आईडीटी के निष्कर्षों को आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए सभी संबंधित टीएसपी को सूचित कर दिया गया है।

प्रमुख मूल्यांकित पैरामीटर:

क) वॉयस सेवाएं: कॉल सेटअप सफलता दर (सीएसएसआर), ड्रॉप कॉल दर (डीसीआर), कॉल सेटअप समय, कॉल साइलेंस दर, स्पीच क्वालिटी (एमओएस), कवरेज।

ख) डेटा सेवाएं: डाउनलोड/अपलोड थ्रूपुट, विलंबता, जिटर, पैकेट ड्रॉप दर और वीडियो स्ट्रीमिंग विलंब।

कॉल सेटअप सफलता दर - एयरटेल, बीएसएनएल, आरजेआईएल और वीआईएल की कॉल सेटअप सफलता दर ऑटो-सिलेक्शन मोड (5जी/4जी /3जी/2जी) में क्रमशः 100.00 प्रतिशत, 94.72 प्रतिशत, 98.24 प्रतिशत और 98.99 प्रतिशत है।

ड्रॉप कॉल दर - एयरटेल, बीएसएनएल, आरजेआईएल और वीआईएल की कॉल ड्रॉप दर ऑटो-सिलेक्शन मोड (5जी/4जी /3जी/2जी) में क्रमशः 0.13 प्रतिशत, 8.68 प्रतिशत, 0.13 प्रतिशत और 0.38 प्रतिशत है।

प्रमुख क्यूओएस मापदंडों के विरुद्ध प्रदर्शन का सारांश

सीएसएसआर : कॉल सेटअप सफलता दर (प्रतिशत में), सीएसटी: कॉल सेटअप समय (सेकंड में), डीसीआर : ड्रॉप कॉल दर (प्रतिशत में) और एमओएस : औसत राय स्कोर जो विशिष्ट ध्वनि गुणवत्ता को दशार्ता है।

सारांश-वॉयस सेवाएं

कॉल सेटअप सफलता दर: एयरटेल, बीएसएनएल, आरजेआईएल और वीआईएल की कॉल सेटअप सफलता दर ऑटो-सिलेक्शन मोड (5जी/4जी /3जी/2जी) में क्रमशः 95.33 प्रतिशत, 94.03 प्रतिशत, 99.18 प्रतिशत और 96.54 प्रतिशत है।

कॉल सेटअप समय: एयरटेल, बीएसएनएल, आरजेआईएल और वीआईएल का कॉल सेटअप समय ऑटो-सिलेक्शन मोड (5जी/4जी /3जी/2जी) में क्रमशः 0.89, 4.13, 0.87 और 1.08 सेकंड है।

कॉल ड्रॉप दर: एयरटेल, बीएसएनएल, आरजेआईएल और वीआईएल की कॉल ड्रॉप दर ऑटो-सिलेक्शन मोड (5जी/4जी /3जी/2जी) में क्रमशः 0.43 प्रतिशत, 3.94 प्रतिशत, 0.62 प्रतिशत और 1.27 प्रतिशत है।

कॉल साइलेंस/म्यूट दर: पैकेट स्विच्ड नेटवर्क (4जी/5जी) में एयरटेल, आरजेआईएल और वीआईएल की साइलेंस कॉल दर क्रमशः 2.48 प्रतिशत, 2.55 प्रतिशत और 1.98 प्रतिशत है।

जबरन धर्मांतरण करने वालों की खैर नहीं! 10 साल तक की होगी अब कैद

(जीएनएस)। जबरन धर्म परिवर्तन करने वालों के लिए राजस्थान में अब सख्त सजा का प्रवाधना है। अब अपनी मर्जी से भी कोई धर्म बदलना चाहे, तो शासन को इसकी सूचना देनी होगी। राज्य सरकार ने नया राजस्थान धर्मांतरण विरोधी कानून 2025 31 अक्टूबर से लागू किया है। इसके तहत धर्म बदलने से पहले जिला दंडाधिकारी को सूचना देना अनिवार्य होगा। जबरन, धोखे से या शादी के बहाने धर्म परिवर्तन पर सख्त सजा-प्रावधान तय किए गए हैं।

इस कानून का कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों ने विरोध किया है, लेकिन सरकार इसे लागू करने में सफल रही है। बता दें कि पहले से ही कई बीजेपी शासित प्रदेशों में धर्मांतरण विरोधी कानून लाया जा चुका है और कुछ अन्य राज्यों में लाने की तैयारी चल रही है।

- यह कानून बिल के रूप में राज्य विधानसभा में 9 सितंबर 2025

को पारित हुआ था।

- नए नियम के अनुसार, अगर कोई व्यक्ति अपनी मर्जी से धर्म बदलना चाहता है, तब भी इसकी सूचना जिला प्रशासन को देनी अनिवार्य है।
- कोई भी बालिग नागरिक अपनी मर्जी से धर्म बदलना चाहता है, तो कम-से-कम 60 दिन पहले जिला प्रशासन को एक लिखित सूचना देनी होगी।
- धर्मांतरण कराने वाले और धर्म बदलने वाले दोनों को जानकारी जमा करनी होगी और मामला सार्वजनिक नोटिस बोर्ड पर भी पोस्ट किया जाएगा।

राजस्थान में जबरन धर्म परिवर्तन पर होगी सजा

- जबरन, धोखे, लालच, शादी या किसी भी तरह से जबरन धर्म परिवर्तन कराए जाने पर 7 से 14 वर्ष की जेल और पांच लाख रुपये तक जुमार्ने का प्रावधान है।
- अवैध धर्मांतरण में महिलाओं, नाबालिगों, अनुसूचित जाति/जनजाति से जुड़े मामलों में सजा 10-20 वर्ष तक और जुमार्ना 10 लाख रुपये से शुरू होगा।
- जबरन या गलत तरीके से सामूहिक तौर पर धर्मांतरण पर आजीवन कारावास और कम-से-कम 25 लाख रुपये का जुमार्ना निर्धारित है।
- इस कानून में पुनर्वापसी (हिंदू धर्म में लौटने) पर नियम लागू नहीं होंगे। इसे लेकर विवाद चल रहा है।
- विपक्ष और कई नागरिक-संस्थाएं इसे संवैधानिक अधिकारों पर हमला बताते हुए, माइक्रो मैनेजमेंट और धर्म-स्वतंत्रता के लिए खतरा

शिवसेना (यूबीटी) की 'तीखी आवाज' संजय राउत ने राजनीति से लिया ब्रेक, पीएम ने दी प्रतिक्रिया, क्या है मामला ?

(जीएनएस)।

शिवसेना (UBT) के कद्दावर नेता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने शुक्रवार को गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं के कारण अगले दो महीने तक सार्वजनिक जीवन से दूर रहने की घोषणा कर दी है। अपनी तीखी बयानबाजी और बीजेपी के मुखर आलोचक के रूप में मशहूर राउत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक भावनात्मक पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि डॉक्टर ने उन्हें इलाज के दौरान भीड़भाड़ और सार्वजनिक कार्यक्रमों से दूरी बनाए रखने की सलाह दी है। राउत ने नए साल तक पूरी तरह स्वस्थ होकर लौटने की उम्मीद जताई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी राउत के स्वास्थ्य पर चिंता व्यक्त करते हुए उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है, जिससे यह खबर राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बन गई है।

स्वास्थ्य कारणों से लिया ब्रेक

संजय राउत ने खुद सार्वजनिक रूप से घोषणा की है कि उन्हें गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो गई हैं और वह इस समय इलाज के दौर से गुजर रहे हैं। अपनी 'एक्स' पोस्ट में उन्होंने अपने शुभचिंतकों के प्यार और विश्वास के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि डॉक्टरों ने उन्हें उपचार के लिए अगले दो महीने तक सार्वजनिक जीवन, भीड़भाड़ और कार्यक्रमों से पूरी तरह दूर रहने की सलाह दी है। हालांकि, राउत ने अपनी बीमारी की प्रकृति या स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में विस्तार से कुछ नहीं बताया, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि वह नए साल तक पूरी तरह से ठीक होकर राजनीति में सक्रिय रूप से लौटेंगे।

पीएम मोदी ने जताई चिंता

संजय राउत की घोषणा के बाद राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी तुरंत राउत के स्वास्थ्य पर प्रतिक्रिया दी। राउत की 'एक्स' पोस्ट पर जवाब देते हुए, पीएम मोदी ने लिखा, "संजय राउत जी, आपके शीघ्र स्वस्थ होने और अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना कर रहा हूं।" यह महत्वपूर्ण है क्योंकि राउत, जो विपक्षी महाविकास अघाड़ी का एक प्रमुख चेहरा हैं, सत्तारूढ़ भाजपा और सीएम एकनाथ शिंदे सरकार के सबसे मुखर आलोचक रहे हैं। राजनीतिक मतभेदों के बावजूद प्रधानमंत्री द्वारा स्वास्थ्य को लेकर चिंता जताना चर्चा का विषय बन गया है।

विपक्ष की 'तीखी आवाज' की अनुपस्थिति

संजय राउत महाराष्ट्र की राजनीति में शिवसेना (वइळ) की सबसे तीखी और बेबाक आवाज माने जाते हैं। वह नियमित रूप से मीडिया के सामने आते हैं और सत्तारूढ़ दल पर हमला बोलते हैं। उनकी दो महीने की अनुपस्थिति से विपक्षी गठबंधन 'महाविकास अघाड़ी' के चुनावी और राजनीतिक कार्यक्रमों पर असर पड़ सकता है।

सूत्रों के अनुसार, राउत 1 नवंबर को चुनाव आयोग के खिलाफ प्रस्तावित एक महत्वपूर्ण प्रदर्शन में हिस्सा लेने वाले थे, लेकिन अब उनकी जिम्मेदारी पार्टी के अन्य नेताओं को निभानी होगी।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

पश्चिम रेलवे पर मनाया गया 'राष्ट्रीय एकता दिवस'

मुंबई, 31 अक्टूबर, 2025

भारत रत्न एवं भारत के लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में पश्चिम रेलवे पर राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने 31 अक्टूबर 2025 को चर्चगेट स्थित पश्चिम रेलवे मुख्यालय में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता शपथ दिलाई।

पहली तस्वीर में पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए। दूसरी तस्वीर में वे अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता शपथ दिलाते हुए दिखाई दे रहे हैं।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, दूरदर्शी राजनेता की 150वीं जयंती पश्चिम रेलवे के सभी छह मंडलों पर श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में एकता, अखंडता एवं राष्ट्र की सुरक्षा को बनाए रखने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए राष्ट्रीय एकता शपथ ली।

पश्चिम रेलवे ने स्क्रैप बिक्री में 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया

मुंबई,

पश्चिम रेलवे ने महत्वाकांक्षी "मिशन जीरो स्क्रैप" पहल के अंतर्गत अपने सभी रेलवे प्रतिष्ठानों और इकाइयों को स्क्रैप-मुक्त बनाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 में पश्चिम रेलवे ने 29 अक्टूबर, 2025 तक कुल 302 करोड़ रुपये से अधिक की स्क्रैप बिक्री का लक्ष्य हासिल कर लिया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, स्क्रैप बिक्री का प्रदर्शन रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित आनुपातिक लक्ष्य

से लगभग 21% अधिक है। यह महत्वपूर्ण उपलब्धि पिछले वर्ष की रिकॉर्ड तिथि 13 नवंबर, 2024 से दो सप्ताह पहले हासिल की गई है, जब पश्चिम रेलवे ने 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया था।

इस उपलब्धि के साथ पश्चिम रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे के साथ स्क्रैप बिक्री में 300 करोड़ रुपये के क्लब में शामिल हो गया है, जिससे कुशल सामग्री प्रबंधन और संसाधन अनुकूलन में अग्रणी क्षेत्रों में से एक के रूप में इसकी स्थिति और मजबूत हो गई है।

'राष्ट्रीय एकता दिवस' पर मंडल रेल प्रबंधक ने दिलाई रेलकर्मियों को एकता शपथ

लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस वडोदरा मंडल में हर्षोल्लास एवं उत्साहपूर्वक मनाया गया।

इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री राजू भडके ने रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने की राष्ट्रीय एकता शपथ दिलाई। उन्होंने सरदार

पटेल की दूरदर्शिता, नेतृत्व क्षमता और देश की एकता को सुदृढ़ करने में उनके महान योगदान को स्मरण किया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री तेजराम मीना , विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

अहमदाबाद मंडल पर राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में 'रन फॉर यूनिटी' एवं सत्यनिष्ठा की शपथ का आयोजन

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर 31.10.2025 को राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में स्वर्गीय सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रिवरफ्रंट उस्मानपुरा से रिवरफ्रंट हाउस बिल्डिंग तक 'रन फॉर यूनिटी' वॉक का आयोजन किया गया तथा मंडल रेल प्रबंधक श्री वेद प्रकाश ने मंडल कार्यालय, अहमदाबाद परिसर में रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई।

मंडल रेल प्रबंधक श्री वेद प्रकाश ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से भ्रष्टाचार मुक्त भारत के निर्माण हेतु 'राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा' बनाए रखने, आपसी भाईचारे को सुदृढ़ करने तथा सदैव सत्यनिष्ठ बने रहने की शपथ दिलाई गई। अपने दैनिक कार्यों में ईमानदारी और पारदर्शिता के मूल्यों को अपनाने का आ'ान किया। उन्होंने कहा कि सत्यनिष्ठा केवल कार्यस्थल तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि यह हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बननी चाहिए। हमें अपने देश को एकजुट, सुरक्षित और विकसित रखने के लिए अपने दैनिक जीवन में एकता, अखंडता और राष्ट्र की सुरक्षा के सिद्धांतों को आत्मसात करना चाहिए। उन्होंने सभी से धर्म, जाति और पंथ की विविधता के बावजूद सामाजिक समरसता एवं सांप्रदायिक सद्भाव

बनाए रखने का आग्रह किया।

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने राष्ट्रीय एकता दिवस पर एकता शपथ दिलाई; प्रधानमंत्री कार्यालय के अधिकारियों ने भी समारोह में भाग लिया

(जीएनएस)।

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री कार्यालय के अधिकारियों ने आज एकता की शपथ ली और राष्ट्र की एकता तथा अखंडता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

यह शपथ केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा राज्य मंत्री (पीएमओ) डॉ. जितेंद्र सिंह द्वारा दिलाई गई।

प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पी.के. मिश्र, प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव-2 श्री शक्तिकांत दास, प्रधानमंत्री के सलाहकार श्री तरुण कपूर, प्रधानमंत्री के विशेष सचिव श्री अतीश चंद्रा और अन्य अधिकारियों ने इस समारोह में भाग लिया।

राष्ट्रीय एकता दिवस सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। इस अवसर पर एकजुट और मजबूत भारत के दृष्टिकोण का उत्ँ सव मनाया जाता है।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक्स पर लिखा;

'केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने प्रधानमंत्री कार्यालय में एकता शपथ दिलाई।

प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव डॉ. पी. के. मिश्र, प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव-2 श्री शक्तिकांत दास, प्रधानमंत्री के सलाहकार श्री तरुण कपूर, प्रधानमंत्री के विशेष सचिव श्री अतीश चंद्रा और अन्य अधिकारियों ने इसमें भाग लिया।

हरीश रावत ने भारत के लिए इंदिरा गांधी के योगदान को कम आंकने के लिए भाजपा की आलोचना की

(जीएनएस)।

कांग्रेस नेता हरीश रावत ने कथित तौर पर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के योगदान को राजनीतिक उद्देश्यों के लिए कम करके आंकने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना की है। एक हालिया साक्षात्कार में, रावत ने भारत के इतिहास को आकार देने में सरदार वल्लभ भाई पटेल, जवाहरलाल नेहरू और इंदिरा गांधी की महत्वपूर्ण भूमिकाओं पर प्रकाश डाला।

रावत ने इंदिरा गांधी के साथ भाजपा के व्यवहार की आलोचना की

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रह चुके रावत ने इस बात पर जोर दिया कि ऐतिहासिक शख्सियतों की एक-दूसरे से तुलना करना राष्ट्रीय सम्मान को कम करता है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल भारतीय राज्यों को एकजुट करने में सहायक थे और नेहरू के साथ मिलकर भारत के संविधान की नींव रखी। रावत ने भारतीय इतिहास के महत्वपूर्ण क्षणों में इंदिरा गांधी के नेतृत्व की भी प्रशंसा की।

इंदिरा गांधी के नेतृत्व में, भारत ने हरित क्रांति, श्वेत क्रांति और नीली क्रांति सहित महत्वपूर्ण कृषि और औद्योगिक प्रगति देखी। ये पहल राष्ट्र को आत्मनिर्भरता की ओर ले जाने में महत्वपूर्ण थीं। रावत ने 1971 के भारत-पाक युद्ध को उनके नेतृत्व के प्रमाण के रूप में उद्धृत किया, विशेष रूप से जब वह अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन के खिलाफ दृढ़ रहीं, जिससे राष्ट्रीय गौरव को बढ़ावा मिला।

रावत ने तर्क दिया कि सरदार पटेल की उपलब्धियों को बढ़ाकर इंदिरा गांधी के बलिदानों को कम करना दोनों नेताओं की विरासत को कमजोर करता है। उन्होंने जोर दिया कि सरदार पटेल इंदिरा गांधी का उतना ही सम्मान करते थे जितना वह उनका करती थीं।

इंदिरा गांधी को श्रद्धांजलि

31 अक्टूबर, 1984 को इंदिरा गांधी की हत्या की वर्षगांठ पर, रावत ने उनकी स्थायी विरासत को श्रद्धांजलि दी। वैश्विक स्तर पर भारत की सबसे लोकप्रिय प्रधानमंत्रियों में से एक के रूप में मान्यता प्राप्त, उन्हें उनके लचीलेपन और करुणा के लिए याद किया जाता है। उनके अपने सुरक्षा कर्मियों द्वारा की गई हत्या के कारण उत्तरी भारत में व्यापक सांप्रदायिक अशांति और सिख विरोधी दंगे हुए।

रावत ने इंदिरा गांधी को एक जबरदस्त नेता बताया, जिनके कार्यों ने उन्हें "आयरन लेडी" का उपनाम दिलाया। निक्सन जैसे अंतरराष्ट्रीय शख्सियतों के विरोध सहित कई चुनौतियों का सामना करने के बावजूद, वह भारत के लिए अपने दृष्टिकोण पर अडिग रहीं।

प्रधानमंत्री ने नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 2025 को संबोधित किया

आर्य समाज की 150वीं वर्षगांठ केवल किसी विशेष समुदाय या संप्रदाय का एक अवसर नहीं है, यह पूरे राष्ट्र की वैदिक पहचान के साथ गहराई से जुड़ा उत्सव है: प्रधानमंत्री

आर्य समाज ने निर्भीक होकर भारतीयता के सार को कायम रखा और बढ़ावा दिया है: प्रधानमंत्री

स्वामी दयानंद जी एक दूरदर्शी और महान व्यक्ति थे: प्रधानमंत्री

आज भारत सतत विकास की दिशा में एक अग्रणी वैश्विक आवाज के रूप में उभरा है: प्रधानमंत्री

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज नई दिल्ली के रोहिणी में अंतर्राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन 2025 को संबोधित किया। इस अवसर पर बोलते हुए श्री मोदी ने कहा कि अभी सुने गए मंत्रों की ऊर्जा अभी भी हर कोई महसूस कर रहा है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि जब भी वे इस समूह के बीच आते हैं, तो उन्हें एक दिव्य और असाधारण अनुभूति होती है। उन्होंने इस अनुभूति का श्रेय स्वामी दयानंद जी के आशीर्वाद को दिया। प्रधानमंत्री ने स्वामी दयानंद जी के आदर्शों के प्रति अपनी गहरी श्रद्धा व्यक्त की। उ न्हों ने उपस्थित सभी विचारकों के साथ अपने दशकों पुराने जुड़ाव का उल्लेख किया, जिसके कारण उन्हें बार-बार उनके बीच आने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि जब भी वे उनसे मिलते हैं और बातचीत करते हैं, तो वे एक विशिष्ट ऊर्जा और अनूठी प्रेरणा से भर जाते हैं।

श्री मोदी ने याद दिलाया कि पिछले वर्ष गुजरात में महर्षि दयानंद सरस्वती जी की जन्मस्थली पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें उन्होंने एक वीडियो संदेश के माध्यम से भाग लिया था। इससे पहले, उन्हें दिल्ली में महर्षि दयानंद सरस्वती जी की 200वीं जयंती समारोह का उद्घाटन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। उन्होंने कहा कि वैदिक वेदमंत्रों के उच्चारण की ऊर्जा, वो हवन अनुष्ठान, ऐसा लगता है जैसे अभी वो सब कल की ही बात हो।

प्रधानमंत्री ने यह भी स्मरण किया कि पिछले आयोजन में, सभी प्रतिभागियों ने महर्षि दयानंद सरस्वती जी की द्विशताब्दी समारोह को दो वर्षों तक एक 'विचार यज्ञ' के रूप में जारी रखने का संकल्प लिया था। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि यह निर्बाध बौद्धिक आयोजन पूरी अवधि तक जारी रहा। श्री मोदी ने कहा कि उन्हें इस अवधि के दौरान किए गए प्रयासों और कार्यक्रमों के बारे में नियमित रूप से जानकारी दी जाती रही है। उन्होंने कहा कि आज, एक बार फिर, उन्हें आर्य समाज के 150वें स्थापना वर्ष समारोह में अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करने का अवसर मिला है। उन्होंने स्वामी दयानंद सरस्वती जी के चरणों में श्रद्धासुमन अर्पित किए और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन के लिए अपनी शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने यह भी कहा कि इस अवसर पर स्मारक सिक्का और डाक टिकट जारी करना उनके लिए सौभाग्य की बात है।

प्रधानमंत्री ने कहा, 'आर्य समाज की 150वीं वर्षगांठ केवल किसी विशेष समुदाय या संप्रदाय का अवसर नहीं है—यह पूरे राष्ट्र की वैदिक पहचान से गहराई से जुड़ा उत्सव है।' उन्होंने कहा कि यह भारतीय दार्शनिक परंपरा से जुड़ा है, जिसमें गंगा के प्रवाह की तरह आत्म-शुद्धि की शक्ति है। श्री मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह अवसर सामाजिक सुधार की उस महान विरासत में निहित है जिसे आर्य समाज ने निरंतर आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि इस आंदोलन ने असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों को वैचारिक शक्ति प्रदान की। उन्होंने लाला लाजपत राय और शहीद रामप्रसाद बिस्मिल जैसे कई क्रांतिकारियों का उदाहरण दिया, जिन्होंने आर्य समाज से प्रेरणा ली और स्वतंत्रता संग्राम के लिए खुद को पूरी तरह समर्पित कर दिया। प्रधानमंत्री ने खेद व्यक्त किया कि राजनीतिक कारणों से, स्वतंत्रता आंदोलन में आर्य समाज की महत्वपूर्ण भूमिका को वह मान्यता नहीं मिली जिसका वह वास्तव में हकदार था।

पश्चिम रेलवे उधना एवं कासगंज के बीच चलाएगी वन-वे स्पेशल ट्रेन

मुंबई,

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के लिए उधना एवं कासगंज स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर वन-वे स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार है:

1. ट्रेन संख्या 09171 उधना-कासगंज वन वे स्पेशल

ट्रेन संख्या 09171 उधना-कासगंज स्पेशल शनिवार 01 नवंबर, 2025 को 22:00 बजे उधना से प्रस्थान करेगी और अगले दिन 19:00 बजे कासगंज पहुंचेगी।

यह ट्रेन मार्ग में अंकलेश्वर, भरूच, वडोदरा, गोधरा, दाहोद, रतलाम, नागदा, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, हिंडौन सिटी, भरतपुर, मथुरा और हाथरस सिटी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में स्लीपर क्लास और जनरल सेकेंड क्लास कोच हैं।

ट्रेन संख्या 09171 की बुकिंग सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू है। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे का रविवार, 2 नवम्बर, 2025 को चर्चगेट और मुंबई सेंट्रल स्टेशनों के बीच जम्बो ब्लॉक

मुंबई,

पश्चिम रेलवे द्वारा रेलपथ, सिगनलिंग प्रणाली तथा ऊपरी उपस्करों के रख-रखाव हेतु रविवार, 02 नवम्ँ बर, 2025 को 10:35 बजे से 15:35 बजे तक चर्चगेट और मुंबई सेंट्रल (लोकल) स्टेशन के बीच अप एवं डाउन फास्ट लाइनों पर पाँच घंटे का जम्ँ बो ब्लॉक लिया जाएगा।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ब्लॉक अवधि के दौरान फास्ट लाइन की सभी ट्रेनों को चर्चगेट और मुंबई सेंट्रल (लोकल) स्टेशन के बीच धीमी लाइनों पर चलाया जाएगा।

इसके कारण, ब्लॉक अवधि के दौरान कुछ उपनगरीय ट्रेनें निरस्त रहेंगी और चर्चगेट की कुछ ट्रेनों को बांद्रा/दादर स्टेशन से शॉर्ट टर्मिनेट/रिवर्स किया जाएगा। यात्रियों से अनुरोध है कि उपर्युक्ँ त व्यवस्था को ध्यान में रखकर यात्रा करें।

भावनगर रेलवे मंडल पर 'राष्ट्रीय एकता दिवस' शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन

'भारत के लौह पुरुष' सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर 31 अक्टूबर, 2025 को पश्चिम रेलवे, भावनगर मंडल पर राष्ट्रीय एकता दिवस हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मंडल कार्यालय परिसर में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा ने की।

इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक श्री वर्मा द्वारा उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता और अखंडता बनाए रखने की शपथ दिलाई गई। समारोह में अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री हिमाँशु शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रही।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अतुल कुमार त्रिपाठी ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों में देश की एकता, अखंडता एवं सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना को सुदृढ़ करना है।

इस कार्यक्रम का सफल आयोजन वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री हुबलाल जगन के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न शाखाओं के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और सभी ने एक स्वर में देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने का संकल्प दोहराया।

अंत में उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र निर्माण में दिए गए अमूल्य योगदान को नमन किया तथा उनके आदर्शों और विचारों पर चलने का संकल्प लिया।

कांग्रेस का बड़ा ऐलान, सरकार बनी तो मुस्लिम विधायक आरिफ मसूद बनेंगे डिप्टी सीएम , जीतू पटवारी का बयान

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनावों की सरगर्मियों के बीच मध्य प्रदेश में भी राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जितू पटवारी ने शुक्रवार को एक कार्यक्रम के दौरान बड़ा ऐलान किया कि यदि 2028 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस सरकार बनाती है, तो भोपाल के मुस्लिम विधायक आरिफ मसूद को उपमुख्यमंत्री बनाया जा सकता है।

इस बयान ने न सिर्फ पार्टी के अंदर उत्साह भर दिया, बल्कि विपक्षी बीजेपी को भी तीखा जवाब देने का मौका दे दिया। बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने पटवारी के बयान को 'शेखचिल्ली के हसीन सपने' करार देते हुए कहा कि कांग्रेस के 40-50 विधायक भी ठीक से नहीं हैं, और आरिफ मसूद का हाल भी पटवारी जैसा हो सकता है। यह बयानबाजी मध्य प्रदेश की राजनीति में जातिगत समीकरणों और सत्ता की दौड़ को और गर्म कर रही है।

कार्यक्रम में पटवारी का ऐलान: 'समय और परिस्थिति बनी तो आरिफ मसूद डिप्टी सीएम'

भोपाल में 'जश्न तहरीके आजादी याद करो उलमा की कुबार्नी' नामक कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जो आजादी के आंदोलन में उलेमाओं की भूमिका को याद करने के लिए था। इस कार्यक्रम में मंच पर कांग्रेस के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार भी मौजूद थे। पटवारी ने संबोधन के दौरान कहा, "समय और परिस्थिति बनीं तो भोपाल के विधायक आरिफ मसूद उपमुख्यमंत्री बन सकते हैं।" यह बयान देते ही मंच पर बैठे आरिफ मसूद हाथ जोड़कर मुस्कुराते नजर आए, जबकि दर्शक दीर्घा में बैठी जनता ने जोरदार तालियां बजाईं।

पटवारी का यह बयान न सिर्फ मुस्लिम समुदाय को पार्टी के प्रति मजबूत करने का प्रयास है, बल्कि यह भी संकेत देता है कि वे खुद मुख्यमंत्री पद के दावेदार के रूप में खुद को स्थापित करना चाहते हैं।

कार्यक्रम के बाद सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो गया, जहां यूजर्स इसे 'कांग्रेस की समावेशी राजनीति' बता रहे हैं। एक एक्स पोस्ट में लिखा गया, "कांग्रेस का यह कदम मुस्लिम वोट बैंक को मजबूत करेगा।" हालांकि, कुछ यूजर्स ने इसे 'जल्दबाजी का ऐलान' करार दिया।

आरिफ मसूद भोपाल मध्य विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के विधायक हैं। वे पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं और मुस्लिम समुदाय में उनकी अच्छी पकड़ मानी जाती है। मसूद ने पहले भी पार्टी के लिए कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं, लेकिन यह पहली बार है जब उन्हें उपमुख्यमंत्री जैसे बड़े पद का संकेत दिया गया है।

बीजेपी का तीखा पलटवार: 'झूठ बोले कौवा काटे, मुसलमानों को पीएम बना दो'

पटवारी के बयान पर बीजेपी ने तुरंत प्रतिक्रिया दी। हुजूर विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा, "झूठ बोले कौवा काटे, झूठ ही तो बोलना है। कांग्रेस के 40-50 विधायक ढंग के हैं ही नहीं, और अगले चुनाव तक कितने बचेंगे, इसकी कोई गारंटी नहीं। एक-दो मुसलमान हैं, उनको तो उपमुख्यमंत्री नहीं, प्रधानमंत्री बना दो। जनता तुम्हें बनने देगी तब न।"

भारत और नीदरलैंड के बीच कृषि पर आठवीं संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की बैठक आयोजित की गई

(जीएनएस)।

आज नई दिल्ली स्थित कृषि भवन में भारत और नीदरलैंड के बीच कृषि पर संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की आठवीं बैठक आयोजित की गई। भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग में संयुक्त सचिव (बागवानी) श्री प्रिय रंजन और नीदरलैंड के कृषि, प्रकृति एवं खाद्य गुणवत्ता मंत्रालय में श्री गुइडो लैंडहीर ने बैठक की सह-अध्यक्षता की।

दोनों पक्षों ने अपने-अपने कृषि क्षेत्रों में प्राथमिकताओं, चुनौतियों और नई पहलों पर चर्चा की। संयुक्त कार्य समूह के महत्व पर जोर देते हुए दोनों पक्षों ने दोनों देशों के बीच कृषि में दीर्घकालिक सहयोग को और ज्यादा बढ़ाने में इसकी भूमिका की सराहना की।

चर्चा के दौरान द्विपक्षीय सहयोग के तहत स्थापित उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) के योगदान को रेखांकित किया गया। इसने उन्नत तकनीकों का प्रदर्शन किया और उच्च गुणवत्ता वाली रोपण सामग्री और बीजों के उत्पादन को सुविधाजनक बनाया है। साथ ही हजारों किसानों को प्रशिक्षण प्रदान किया है। इस मॉडल की सफलता ने अन्य राज्यों और बागवानी के सहायक क्षेत्रों में भी इसी प्रकार की पहल को बढ़ावा देने के प्रयासों को प्रेरित किया है, जिससे अधिक से अधिक किसानों को लाभ मिल सके।

बैठक में सहयोग के मौजूदा क्षेत्रों की भी समीक्षा की गई और पादप स्वच्छता (फाइटोसैनिटरी) सहयोग, बीज क्षेत्र, पशुपालन और डेयरी, खाद्य प्रसंस्करण, खाद्य सुरक्षा, चक्रीय कृषि, ग्रीनहाउस तकनीक, जानकारी को साझा करना, नवाचार और प्राकृतिक रूप से हवादार पॉलीहाउस सहित संभावित नए अवसरों की तलाश की गई।

दोनों पक्षों ने रचनात्मक और परिणाम-उन्मुख चचाओं पर संतोष

आयुष मंत्रालय ने 3 से 5 नवंबर 2025 तक विज्ञान क्षेत्र, प्रौद्योगिकी और नवाचार सम्मेलन (ईएसटीआईसी) 2025 के लिए पूर्वावलोकन संवाददाता सम्मेलन आयोजित किया

आयुष मंत्रालय ने 3 से 5 नवंबर 2025 तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित होने वाले उभरते विज्ञान क्षेत्र, प्रौद्योगिकी और नवाचार सम्मेलन (ईएसटीआईसी) 2025 के लिए पूर्वावलोकन संवाददाता सम्मेलन आयोजित किया

ईएसटीआईसी 2025 भारत के पारंपरिक स्वास्थ्य ज्ञान और आधुनिक प्रौद्योगिकियों के अभिसरण को दशार्ता है

(जीएनएस)।

2025 तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित होने वाले उभरते विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार सम्मेलन (ईएसटीआईसी) 2025 के बारे में आज नई दिल्ली के जनकपुरी स्थित केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन आयोजित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता आयुष मंत्रालय में संयुक्त सचिव श्रीमती अलरमेलमंगई डी ने की। उन्होंने ईएसटीआईसी 2025 में मंत्रालय की भागीदारी पर एक वीडियो भी प्रदर्शित किया।

पूवालीकन कार्यक्रम में श्रीमती अलरमेलमंगई डी. ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि ईएसटीआईसी 2025 एक प्रमुख राष्ट्रीय पहल है जो भारत की वैज्ञानिक भावना और सहयोग शक्ति का आयोजन है। उन्होंने कहा कि ईएसटीआईसी 2025 केवल आयोजन भर नहीं बल्कि भारत के नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को प्रतिबिंबित करता है कि कैसे विज्ञान और प्रौद्योगिकी मिलकर स्वस्थ और संवहनीय भविष्य निर्मित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि आयुष मंत्रालय को स्वास्थ्य और चिकित्सा प्रौद्योगिकी के विषयगत क्षेत्र में योगदान देने पर गर्व है जो भारत के पारंपरिक स्वास्थ्य ज्ञान और अत्याधुनिक तकनीक के विशिष्ट संगम का प्रतिनिधित्व करता है।

संयुक्त सचिव ने कहा कि भारत के स्वास्थ्य सेवा तंत्र में व्यापक बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि जब बायोमेडिकल इंजीनियरिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-आधारित डायग्नोस्टिक्स और सटीक चिकित्सा प्रगति आधुनिक स्वास्थ्य सेवा को नया रूप दे रही है, वहीं दुनिया एक बार फिर निवारक और समग्र स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद और अन्य आयुष प्रणालियों की ओर रुख कर रही है। ये सभी उपाय मिलकर भारत और दुनिया के लिए स्वास्थ्य सेवा को नए सिरे से परिभाषित कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी एकीकरण में आयुष मंत्रालय ने अपनी आयुष ग्रिड पहल द्वारा डिजिटल प्लेटफार्मों का एक व्यापक समूह विकसित किया है जो पारंपरिक

भारतीय खाद्य निगम में विशेष अभियान 5.0 से स्वच्छता, दक्षता और स्थान अनुकूलन को बढ़ावा

(जीएनएस)।

भारतीय खाद्य निगम आज अपने विशेष अभियान 5.0 के समापन के साथ ही कार्यालय परिसरों और डिपो में स्वच्छता को बढ़ावा देने, रिकॉर्ड प्रबंधन में सुधार करने, ई-कचरा और अपशिष्ट वस्तुओं को हटाने तथा कार्यस्थल के अनुभव को बढ़ाने के उद्देश्य के करीब पहुंच गया है।

भारतीय खाद्य निगम ने प्रारंभिक चरण के दौरान समीक्षा के लिए 1,94,465 भौतिक फाइलों की पहचान की थी और लगभग 90,000 फाइलों को पहले ही हटा दिया है। अक्टूबर 2025 के पहले पखवाड़े तक, निगम ने ई-कचरा और स्क्रैप निपटान के माध्यम से लगभग 16 लाख रुपए का राजस्व अर्जित किया है, साथ ही अपने कार्यालयों और डिपो में लगभग

18,000 वर्ग फुट जगह खाली की है। भारतीय खाद्य निगम की ये उपलब्धियां अक्टूबर 2025 के पहले पखवाड़े तक संकलित आंकड़ों को दशार्ती हैं।

अभियान के समापन पर, देश भर के सभी क्षेत्रों से रिपोर्ट संकलित होने के बाद राजस्व और स्थान उपयोग के आंकड़ों में और वृद्धि होने की उम्मीद है। विशेष अभियान 5.0, 15 सितंबर 2025 को प्रारंभिक चरण के साथ शुरू हुआ, जिसके बाद 2 अक्टूबर 2025 को एफसीआई अधिकारियों और कर्मचारियों ने स्वच्छता की शपथ ली। एफसीआई ने देशभर में अपने क्षेत्रीय, जिला कार्यालयों और गोदामों सहित 900 से अधिक स्थानों पर स्वच्छता अभियान चलाए हैं।

इससे पहले, एफसीआई ने स्क्रैप निपटान के माध्यम से मूल्यवान स्थान खाली करके राजस्व सृजन में सराहनीय परिणाम प्राप्त किए हैं। पिछले अभियानों के दौरान एफसीआई ने 70 लाख रुपए से अधिक का राजस्व अर्जित किया था, 5 लाख से अधिक फाइलों का निपटान किया और 1.5 लाख वर्ग फुट से अधिक जगह खाली कराई थी।

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने नॉर्वे-भारत साझेदारी पहल की वार्षिक बैठक की अध्यक्षता की

एनआईपीआई प्रयासों के अभिसरण से प्राप्त परिणामों को दशार्ता है, भारत सरकार भी वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए समग्र सरकारी दृष्टिकोण के माध्यम से राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ इस अभिसरण में शामिल है: केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने इस पहल की सर्वोत्तम विधियों को अन्य क्षेत्रों में भी लागू करने की भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया

इस साझेदारी के माध्यम से महत्वपूर्ण परिणाम प्राप्त करने में मदद मिली है: श्री मे-एलिन स्टेनर

(जीएनएस)।

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव श्रीमती पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने आज नॉर्वे-भारत साझेदारी पहल (एनआईपीआई) की वार्षिक बैठक की अध्यक्षता की। भारत में नॉर्वे की राजदूत श्री मे-एलिन स्टेनर ने बैठक की सह-अध्यक्षता की। बैठक का उद्देश्य एनआईपीआई प्रगति रिपोर्ट 2025 और इस पहल के चौथे चरण के अंतर्गत वर्ष 2025-26 के लिए बजटीय कार्य योजनाओं की समीक्षा और अनुमोदन करना था।

श्रीमती पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने बैठक में कहा, " एनआईपीआई प्रयासों के अभिसरण से प्राप्त परिणामों को दशार्ता है, भारत सरकार भी वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए समग्र सरकारी दृष्टिकोण के माध्यम से राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ इस अभिसरण में शामिल है।" केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने भारत की नवाचार में एक अच्छा परीक्षण क्षेत्र प्रस्तुत करने की क्षमता का उल्लेख करते हुए इस पहल की सर्वोत्तम विधियों को

अन्य क्षेत्रों में भी लागू करने की भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

श्रीमती श्रीवास्तव ने इस पहल के तहत विकसित आईपीएचएस ओडीके (भारतीय जन स्वास्थ्य मानक - ओपन डेटा किट) टूल के महत्व पर भी प्रकाश डाला, जो आकलन को सुगम बनाता है और राज्यों को कमियों की शीघ्र पहचान करने तथा आवश्यक मानकों को प्राप्त करने हेतु लक्षित सहायता प्राप्त करने में मदद करता है। उन्होंने अपने संबोधन का समापन इस साझेदारी के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की सराहना और सहयोग जारी रखने की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हुए किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, महामहिम मे-एलिन स्टेनर ने इस बात पर प्रकाश डाला कि अगले वर्ष इस साझेदारी के 20 वर्ष पूरे हो जाएँगे। उन्होंने कहा कि इस साझेदारी के माध्यम से अभिनव और उत्प्रेरक हस्तक्षेप हुए हैं जिनसे महत्वपूर्ण परिणाम प्राप्त करने में मदद मिली है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 'केन्द्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक 2025' से सम्मानित सभी पुलिसकर्मियों को बधाई दी

विशेष अभियान, अन्वेषण, आसूचना और फोरेंसिक विज्ञान में अनुकरणीय मानक स्थापित करते हुए, राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों, केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और केन्द्रीय पुलिस संगठनों के कर्मियों ने हमारे राष्ट्र को और अधिक दृढ़ और सुरक्षित बनाने में योगदान दिया है

साहस, प्रतिबद्धता और समर्पित सेवा को सम्मानित करने के लिए गृह मंत्रालय द्वारा 2024 में स्थापित यह पुरस्कार और अधिक लोगों को राष्ट्र सेवा के पथ पर चलने के लिए प्रेरित करेगा

(जीएनएस)।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 'केन्द्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक 2025' से सम्मानित सभी पुलिसकर्मियों को बधाई दी।

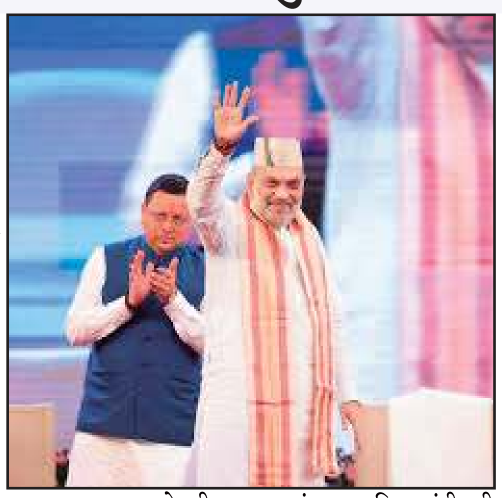

प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि 'केन्द्रीय गृहमंत्री दक्षता पदक 2025' से सम्मानित सभी पुलिसकर्मियों को बधाई। उन्होंने कहा कि विशेष अभियान, अन्वेषण, आसूचना और फोरेंसिक विज्ञान में अनुकरणीय मानक स्थापित करते हुए, राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों, केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और केन्द्रीय पुलिस संगठनों के कर्मियों ने हमारे राष्ट्र को और अधिक दृढ़ और सुरक्षित बनाने में योगदान दिया है। श्री शाह ने कहा कि साहस, प्रतिबद्धता और समर्पित सेवा को सम्मानित करने के लिए गृह मंत्रालय द्वारा 2024 में स्थापित यह पुरस्कार और अधिक लोगों को राष्ट्र सेवा के पथ पर चलने के लिए प्रेरित करेगा।

विशेष अभियान 5.0 के अंतर्गत विधायी विभाग में एनएआई अधिकारी द्वारा फाइलों का मूल्यांकन और मुहर लगाना

(जीएनएस)।

वर्तमान में चल रहे विशेष अभियान 5.0 के अंतर्गत 30 और 31 अक्टूबर, 2025 को भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार (एनएआई) के अधिकारियों ने विधि एवं न्याय मंत्रालय के विधायी विभाग के अभिलेख कक्ष का दौरा किया और एनएआई को हस्तांतरित करने के लिए 25 वर्ष से अधिक पुरानी 243 फाइलों का मूल्यांकन किया और मुहर लगाई।

इस अभियान का उद्देश्य अभिलेखीय मानकों के अनुसार उचित दस्तावेजीकरण, व्यवस्थित मूल्यांकन और अभिलेखों का समय पर संरक्षण सुनिश्चित करना है। यह पहल पारदर्शिता, जवाबदेही और आधिकारिक अभिलेखों के कुशल प्रबंधन को बनाए रखने के लिए विभाग की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है, साथ ही उचित दस्तावेजीकरण और अभिलेखीय प्रक्रियाओं के प्रति कर्मचारियों के बीच जागरूकता को बढ़ावा देती है।

विधायी विभाग द्वारा सतर्कता जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए शास्त्री भवन में नुक्कड़ नाटक का आयोजन

(जीएनएस)।

विधि एवं न्याय मंत्रालय के विधायी विभाग ने 31 अक्टूबर, 2025 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह के उपलक्ष्य में सतर्कता जागरूकता संदेश फैलाने के लिए शास्त्री भवन, नई दिल्ली के परिसर में एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन पेशेवर कलाकारों द्वारा किया गया, जिसमें सचिव डॉ. राजीव मणि, डॉ. मनोज कुमार, अतिरिक्त सचिव, श्री आर.के. पटनायक, अतिरिक्त सचिव, डॉ.

के.वी. कुमार, अतिरिक्त सचिव और विधायी विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। आकर्षक प्रदर्शनों और वैचारिक संवादों के माध्यम से कलाकारों ने सार्वजनिक सेवा में ईमानदारी, पारदर्शिता और जवाबदेही के महत्व पर प्रकाश डाला। सभा को संबोधित करते हुए, सचिव डॉ. राजीव मणि ने इस पहल की सराहना की और सभी कर्मचारियों से सतर्कता जागरूकता को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कार्यस्थल पर ईमानदारी और नैतिक आचरण की संस्कृति बनाने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं।

सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री श्री डॉ. एल. मुरुगन ने विशेष अभियान 5.0 के तहत मंत्रालय की ओर से आयोजित की गई गतिविधियों का निरीक्षण कर उनकी समीक्षा की

(जीएनएस)।

सूचना एवं प्रसारण और संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने 30 अक्टूबर, 2025 को नई दिल्ली में शास्त्री भवन स्थित सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के कार्यालयों में स्वच्छता और लंबित मामलों को कम करने पर विशेष अभियान 5.0 की गतिविधियों का निरीक्षण किया और उनकी समीक्षा की। इस अवसर पर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव श्री संजय जाजू और पत्र सूचना कार्यालय के प्रधान महानिदेशक श्री धीरेन्द्र ओझा भी उपस्थित रहे। इस दौरान मंत्रालय के विभिन्न अनुभागों और रेकॉर्ड रूम का निरीक्षण कर उनकी स्थिति में और सुधार लाने तथा डिजिटलीकरण की प्रक्रिया को और बेहतर तरीके से व्यवस्थित करने के निर्देश दिए गए।

इसके अलावा मंत्री ने 30 अक्टूबर, 2025 को नई दिल्ली के मंडी हाउस स्थित दूरदर्शन भवन में स्वच्छता और लंबित मामलों को कम करने पर विशेष अभियान 5.0 की गतिविधियों का निरीक्षण कर उनकी समीक्षा की। इस मौके पर प्रसार भारती के अध्यक्ष श्री नवनीत कुमार सहगल, प्रसार भारती के सीईओ श्री गौरव द्विवेदी, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार एवं नोडल अधिकारी श्री आर. के. जेना और प्रसार भारती के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

सूचना एवं प्रसारण और संसदीय कार्य राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने 31 अक्टूबर, 2025 को नई दिल्ली स्थित आकाशवाणी भवन में स्वच्छता और लंबित मामलों को कम करने पर विशेष अभियान 5.0 के तहत आयोजित गतिविधियों का निरीक्षण कर उनकी समीक्षा भी की। इस अवसर पर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के वरिष्ठ आर्थिक सलाहकार एवं नोडल अधिकारी श्री आर.के. जेना, आकाशवाणी के महानिदेशक श्री राजीव जैन तथा प्रसार भारती के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

नेपाल-बांग्लादेश 'तख्तापलट' पर एनएसए डोभाल का बड़ा बयान, क्यों कहा भारत को सरदार पटेल की दूरदर्शिता की जरूरत?

(जीएनएस)।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) अजीत डोभाल ने दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि भारत एक महत्वपूर्ण बदलाव के दौर से गुजर रहा है और इस परिवर्तन से डरने की जरूरत नहीं है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि दुनिया भी एक बड़े परिवर्तन के दौर से गुजर रही है, जिसके लिए हमें खुद को मजबूत करना होगा।

इस दौरान उन्होंने पड़ोसी देशों में हुए तख्तापलट को लेकर भी कड़ी टिप्पणी की। एनएसए ने स्पष्ट किया कि बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल और अन्य देशों में गैर-संवैधानिक तरीकों से सत्ता परिवर्तन मुख्य रूप से कुशासन (poor governanfce) की वजह से हुआ। डोभाल ने राष्ट्र निर्माण में सरकारों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि आज भारत को सरदार वल्लभभाई पटेल की दूरदर्शिता की सबसे अधिक जरूरत है।

पड़ोसी देशों में तख्तापलट और कुशासन

NSA अजीत डोभाल ने अपने संबोधन में भारत के पड़ोसी देशों में सत्ता परिवर्तन के लिए कुशासन को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल और अन्य देशों में जो गैर-संवैधानिक तरीके से सत्ता बदली है, वह केवल कमजोर और स्वार्थ से प्रेरित सरकारों का परिणाम है।

शी जिनपिंग से मुलाकात के बाद ट्रंप का नया अवतार! हैलोवीन पर क्यों चर्चा में आया 'कैंडी डिप्लोमेसी'?

(जीएनएस)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप ने गुरुवार (स्थानीय समय) को व्हाइट हाउस में धूमधाम से हैलोवीन मनाया। एशिया की लंबी राजनयिक यात्रा समाप्त कर लौटे ट्रंप दंपति को इस दौरान बच्चों को कैंडी देते हुए देखा गया। बच्चों को राष्ट्रपति की मुहर लगे विशाल 'हर्षे बार' दिए गए।

ट्रंप विशेष रूप से तीन बच्चों की वेशभूषा से प्रभावित हुए, जिन्होंने खुद को राष्ट्रपति, प्रथम महिला और 'सीक्रेट सर्विस' के रूप में तैयार किया था। इस बीच, ट्रंप ने अपनी एशिया यात्रा के पहले चरण को सफलतापूर्वक पूरा किया, जिसमें उन्होंने मलेशिया, जापान और दक्षिण कोरिया का दौरा किया, और खासकर चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ व्यापार तनाव कम करने के लिए महत्वपूर्ण समझौते किए।

व्हाइट हाउस में हैलोवीन का जश्न धूमधाम से मनाया गया, जहां दर्जनों ट्रिक-ऑर-ट्रीटर्स का स्वागत किया गया। राष्ट्रपति ट्रंप और मेलानिया ट्रंप ने बच्चों को परंपरा के तहत कैंडी वितरित की, जिसमें राष्ट्रपति की मुहर लगे विशाल हर्षे बार शामिल थे। इस दौरान ट्रंप ने कतार की लंबाई पर टिप्पणी करते हुए कहा, 'यह बहुत लंबी कतार है।'

सीजीएसटी दिल्ली दक्षिण आयुक्तालय ने लगभग 31.95 करोड़ रुपये के इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का धोखाधड़ी से लाभ उठाने वाली एक फर्म का भंडाफोड़ किया; एक गिरफ्तार

(जीएनएस)।

सीजीएसटी दिल्ली दक्षिण आयुक्तालय की कर चोरी निरोधक शाखा ने व्यापक स्तर पर धोखाधड़ी से इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) प्राप्त करने के एक मामले का पदार्फाश किया है। कंपनी के निदेशक को लगभग 31.95 करोड़ रुपये की वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) चोरी की साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार कर सक्षम न्यायिक प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जिसने उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। जांच से पता चला कि कंपनी बिना किसी वस्तु या सेवा की आपूर्ति के केवल चालान के आधार पर धोखाधड़ी से इनपुट टैक्स क्रेडिट प्राप्त करने में सक्रिय रूप से शामिल है।

कर चोरी निरोधक शाखा द्वारा प्राप्त विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर, एक संदिग्ध आपूर्ति श्रृंखला की जांच आरंभ की गई। जांच से पता चला कि फर्म ने बिना किसी वास्तविक वस्तु की आवाजाही के धोखाधड़ी से आईटीसी का लाभ उठाया था।

आगे की जांच से पता चला कि फर्म ने सीजीएसटी अधिनियम 2017 के प्रावधानों का घोर उल्लंघन करते हुए, काल्पनिक और गैर-विद्यमान फर्मों से अयोग्य आईटीसी का लाभ उठाया और उसे आगे बढ़ाया।

यह मामला सीजीएसटी दिल्ली दक्षिण आयुक्तालय द्वारा धोखाधड़ी वाले आईटीसी मामले का पदार्फाश करने के लिए की गई व्यापक पहल का हिस्सा है, जिससे राजस्व में भारी गिरावट आती है और उचित बाजार कार्य प्रणालियों को नुकसान पहुंचता है। विभाग ऐसी धोखाधड़ी गतिविधियों की सक्रिय रूप से पहचान करने और उन्हें रोकने के लिए डेटा एनालिटिक्स और आपूर्ति श्रृंखला मानचित्रण उपकरणों का लाभ उठा रहा है।